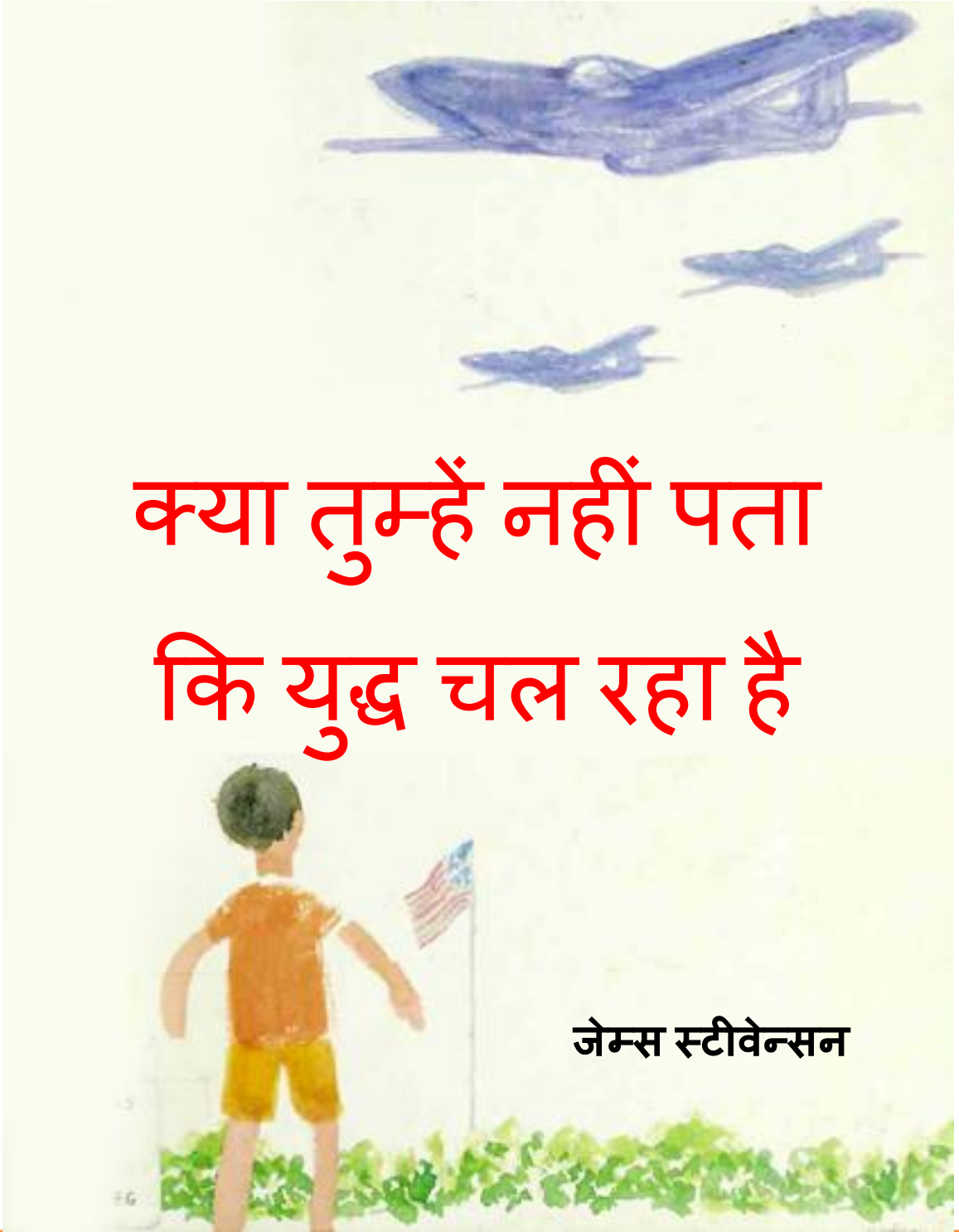
क्या तुम्हें नहीं पता
कि युद्ध चल रहा है
जेम्स स्टीवेन्सन

क्या तुम्हें नहीं पता

कि युद्ध चल रहा है

1942 में युद्ध शुरू हुआ.

मेरा भाई नौसेना में भर्ती हुआ.

मैं अपने माता-पिता के
साथ घर पर ही रहा.

लोग कहते थे, "क्या तुम्हें नहीं पता कि युद्ध चल रहा है?"

पापा - क्या चार्ली
और मैं फिल्म
देखने जा सकते हैं?

क्या तुम्हें नहीं पता कि
युद्ध चल रहा है?

अरे नहीं,
फिर से वही
खाना!.

क्या तुम्हें
नहीं पता कि
युद्ध चल रहा
है?

मुझे एक छोटी बहन
चाहिए, प्लीज!

क्या तुम्हें नहीं
पता कि युद्ध
चल रहा है?

मैंने युद्ध जीतने में मदद करने की कोशिश की,

मैंने एल्युमीनियम की पन्नी (फॉइल) इकट्ठी की और उससे एक गेंद बनाई.

मैंने टिन के डिब्बे बचाए.

मैंने रात को खिड़कियों के पर्दे बंद किए ताकि दुश्मन को हमारी रोशनी न दिखे.

मैंने युद्ध स्टाम्प (टिकट) खरीदे.

भोजन की कमी थी. हमने एक "विजय बाग़" लगाया और बहुत सारा पालक उगाया.

वैसा पालक किसी को पसंद नहीं था. उसका स्वाद भी अच्छा नहीं था.

लोगों ने अपनी कार की विंडशील्ड पर स्टिकर लगाए, जो बताते थे कि वो कितना पेट्रोल खरीद सकते थे.

अधिकांश लोगों को "A" स्टिकर मिला, जिसका मतलब था कि उन्हें थोड़ा सा ही पेट्रोल खरीदने की अनुमति थी.

अगर किसी के पास कोई और स्टिकर होता, तो लोग कानाफूसी करते कि उसे वो कैसे मिला.

मिस्टर हैल्स्टेड हवाई-हमले के वार्डन थे.

उन्होंने अपनी बांह पर एक
आधिकारिक पट्टी पहनी थी. उनके हाथ
में टॉर्च होती थी. वो यह सुनिश्चित
करने के लिए रात में गश्त लगाते थे कि
सभी घरों की बत्तियां बंद हों.
कभी-कभी आप उन्हें चक्कर
लगाते हुए सुन सकते थे.

होशियार! मैं हवाई
हमले का वार्डन हूँ!

उस लाइट को बंद करो!

ऊपर वाली लाइट.

चलो, कोई बात नहीं.

कौन?

ओह, क्या आप हैल्स्टेड हैं?

कौन सी लाइट?

कहाँ पर?
सीढ़ियों पर?
फिर मुझे कुछ भी
नहीं दिखेगा.

हमें चेतावनी दी गई थी कि तोड़फोड़ करने वाले कुछ जासूस
पनडुब्बियों से समुद्र के किनारे पर छिपकर चीजों को उड़ा सकते थे.

वे शायद बिजली संयंत्र
और रेल पुल को उड़ाना चाहते थे.

मुझे अच्छा लगता अगर वो गलती से
हॉवर्ड जे. डेविस एलीमेंट्री स्कूल को उड़ा देते!

हम लोग बूढ़े सफाई कर्मचारी मिस्टर श्मिट
पर नज़र रखते थे. वो हमें जासूस लगते थे.

मुझे नहीं पता - वो
संदेहास्पद तरीके से तो
काम नहीं कर रहे हैं.

बेशक! क्योंकि वो
एक मंझे हुए
जासूस है!

हमने उनके घर तक उनका पीछा किया.

उनके घर में शायद
डायनामाइट भरा हो!

वो अपने रेडियो पर युद्ध की
खबरें सुन रहे होंगे!

उन्होने राष्ट्रीय झंडा सब को बेवकूफ
बनाने के लिए लगाया होगा!

वो जरूर एक जासूस हैं!

हमने दोस्त और दुश्मन के विमानों के आकारों को पहचानना सीखा.
वो काम बहुत आसान नहीं था.

दोस्त दुश्मन

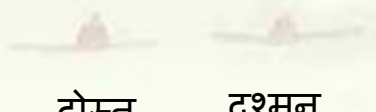

दोस्त दुश्मन

मेरे दोस्त आपस में बातचीत करते थे कि वे युद्ध में क्या करेंगे.

मैं नौ-सेना के जहाज़ पर सवारी करूंगा.

मैं एक फाइटर पायलट बनूंगा.

मैं दुश्मन की रेखा के पीछे पैराशूट करूँगा.

मैं एक उड़ते हुए हवाई जहाज़ का बंदूकची बनूंगा.

जब अंधेरा हो जाता तो मैं और मेरे दोस्त आकाश में दुश्मन के विमानों पर नजर रखते थे.

किसी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि अगर वे मुझे सिर्फ नौ-सेना में शामिल होने की अनुमति देते तो मैं कितना बहादुर बनता.

सिडनी के पास दुनिया का नक्शा था. लड़ाई कहाँ हो रही थी
यह दिखाने के लिए वो नक़्शे पर पिनें चिपकाता था.
यदि आप पूछते, "ग्वाडल-कैनाल कहाँ है?"
तो सिडनी कहता, "क्या तुम इतना भी नहीं जानते?"

सिडनी को पता था कि वे सभी पदक (मैडल) किस लिए थे.

यह क्या है सिड?

लीजन ऑफ़ मेरिट!
बिल्कुल!

मौली, डेविड और मैंने मिलकर "ब्लैकआउट"
नामक एक साप्ताहिक पेपर निकाला.

उसमें हमने बताया कि युद्ध
में हमारी जान-पहचान वाले
कौन लोग भाग ले रहे थे.
लेकिन हमने उसमें कोई
रहस्य उजागर नहीं किया.

हमने जानकारी दी कि लोग कहां रक्तदान कर सकते थे.
हमने पेपर में खाना बनाने की कुछ रेसेपी भी शामिल कीं.

एक दिन पिताजी ने कहा,
"चलो टहलने चलते हैं."
मुझे बड़ा मजा आया.
हम बहुत कम ही
एक-साथ घूमने जाते थे.

फिर पिताजी ने मुझसे कहा कि वो सेना में भर्ती होने जा रहे थे.
यह सुनकर मैं रोने लगा.
पिताजी ने मुझ से बहादुर बनने को कहा.

"मैं चाहता हूं कि तुम अपनी मां की देखभाल करो,"
उन्होंने कहा.

फिर पिताजी ट्रेन में सवार होकर
सेना में काम करने चले गए.

मैंने घर के कई चक्कर लगाए
और देखा कि पिताजी
क्या-क्या छोड़ गए थे.

उनकी अल्मारी

उनकी डेस्क

उनका ब्रीफकेस

वे कपड़े जिनकी उन्हें
अब जरूरत नहीं थी.

अब बाथरूम में उनका

शेविंग ब्रश
नहीं था

रेजर नहीं था

टूथब्रश नहीं था

टूथ पाउडर का
डिब्बा नहीं था

मैंने अपने कमरे में पिताजी की एक तस्वीर रखी.
अगर मैं पिताजी को बहुत याद करता
तो शायद वो युद्ध से जीवित लौटते.

माँ हर दिन युद्ध की खबरें पढ़ती थीं. वो बहुत चिंतित रहती थीं.
मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि मैं उनकी कैसे मदद करूं

जब हम सिनेमाघर में फिल्म देखने जाते तो
वहां हमें युद्ध की न्यूज़-रील देखने को मिलती थी.

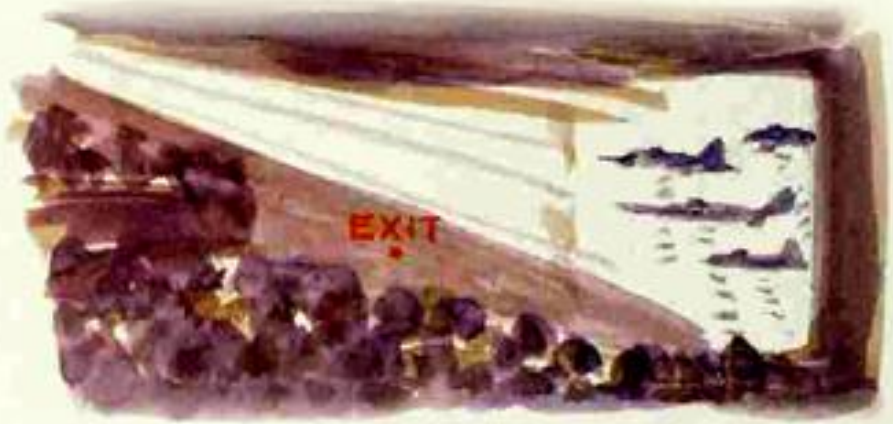

उसका संगीत डरावना था, और एक नाटकीय आवाज कहती थी :
"शत्रु सेनाएं अमेरिकी वायु शक्ति के शक्तिशाली वार से डगमगाने लगी हैं ..."

एक एडमिरल शहर में हमें यह
बताने आए कि हम युद्ध कैसे जीतेंगे.

वो एडमिरल, डेनी रैनकिन की माँ के रिश्तेदार थे,
और बाद में डेनी उनकी बगल में खड़ा हुआ.

हम समझ नहीं पा रहे
थे कि कोई एडमिरल,
डेनी जैसे नटखट लड़के
का रिश्तेदार कैसे हो
सकता था?

सर्दी आई, फिर एक दिन हमें पिताजी का एक पत्र मिला. उन्हें सेना का एक होटल चलाने के लिए फ्लोरिडा भेजा गया था.

पिताजी ने लिखा कि स्कूल की छुट्टियों में हमें फ्लोरिडा आना चाहिए.

क्या बात है!!

उसमें तीन दिन लगे.
ट्रेन सैनिकों और नाविकों से खचाखच भरी थी.

हम खुशनसीब थे. हमें सोने में बर्थ मिल गई. मैं सीढ़ी से अपनी बर्थ पर चढ़ा. बर्थ पर चढ़ने और लेटने के बाद मैंने पर्दे को बंद किया

फिर मैंने कपड़े उतारकर अपना पजामा पहना.
उसके बाद मैंने कई स्टेशन्स को गुज़रते हुए देखा.

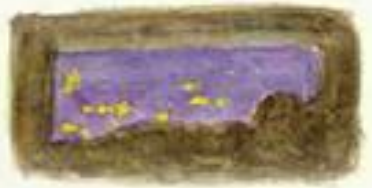

अंत में हम फ्लोरिडा पहुंचे, और ट्रेन से उतरे.

और वहां मेरे पिताजी थे.

पिताजी मुझे वहां ले गए जहां वो काम करते थे.
फौज के जवानों ने उन्हें सलामी दी.
उससे मुझे बहुत गर्व महसूस हुआ.

क्योंकि गर्मी थी इसलिए हम
क्रिसमस के दिन समुद्र में तैरने गए.

हम दर्शनीय स्थल देखने गए. मेरे माता-पिता को फ्लेमिंगो पक्षी बहुत पसंद आए. मुझे वो कोई ख़ास अच्छे नहीं लगे.

ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो मुझे लगीं कि हमें देखना चाहिए थीं. पर माता-पिता को ऐसा नहीं लगा.

फिर हमारे वापिस लौटने का समय हो गया. हम एयरपोर्ट गए.
"आप घर कब वापिस आएंगे?" मैंने पिताजी से पूछा.
"जैसे ही युद्ध समाप्त होगा," पिताजी ने कहा.
मुझे ऐसा लगा जैसे वो कभी वापिस नहीं आएंगे.

हम लोग घर लौटे. युद्ध चलता रहा.

मैंने जो एल्युमीनियम पन्नी (फॉइल) इकट्ठी
की थी वो अब एक गेंद जितनी बड़ी हो गई थी.

जर्मनी में सैली के भाई की हत्या के बाद हमने अपना
"ब्लैकआउट" पेपर निकालना बंद कर दिया.
हमारे पास अब कहने को कुछ नहीं बचा था.

एक दिन मैंने हॉर्न, घंटियाँ और लोगों को सीटियां बजाते हुए सुना.
फिर मैं अपनी साइकिल पर शहर के चौक में गया.

वहां पर बूढ़े मिस्टर मर्फी
सड़क के किनारे खड़े
अपनी टोपी और बेंत लहरा रहे थे.
"क्या चल रहा है, मिस्टर मर्फी?"
मैंने पूछा.
"क्या तुम्हें नहीं पता
कि युद्ध समाप्त हो गया है?" वो चिल्लाए.
"हम जीत गए, हम जीत गए!"

तीन हफ्ते बाद मेरा भाई घर लौटा. उसके एक महीने
बाद हम तीनों अपने पिता से मिलने स्टेशन गए.
पिताजी ने हमें देखा, और अपना हाथ लहराया.

तब मुझे पता चला कि युद्ध खत्म हो गया था.

समाप्त